माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल वर्ष-2017

24 पृष्ठीय

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे ↓

[redacted]

रीति विज्ञान 1 3 0 हिन्दी

स्टीकर तीर के निशान ↓ से मिलाकर लगायें

[redacted]

उत्तर पुस्तिका का सरल क्रमांक: 0408139

अंकों में — परीक्षार्थी का रोल नम्बर

2	7	3	5	2	7	5	1	5

[redacted]

नीचे दिये गये उदाहरण के अनुसार रोल नम्बर भरें

उदाहरणार्थ									
	1	1	2	4	3	9	5	6	8
	एक	एक	दो	चार	तीन	नौ	पांच	छः	आठ

→ परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे

क - पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या अंकों में X शब्दों में X

ख - परीक्षार्थी का कक्ष क्रमांक 16

ग - परीक्षा का दिनांक 21 03 2017

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

हायर सेकण्डरी प्रमाण-पत्र परीक्षा केन्द्र क्रमांक 351...

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर	केन्द्राध्यक्ष/सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर
Ravi Shukla	(हस्ताक्षर)

→ केन्द्राध्यक्ष/सहायक केन्द्राध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक द्वारा भरा जावे

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे ↓

प्रमाणित किया जाता है कि मूल्यांकन के समय पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या उपरोक्तानुसार सही पाई होलो क्राफ्ट स्टीकर क्षतिग्रस्त नहीं पाया गया तथा अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टी एवं अंकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा	परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा
(हस्ताक्षर)	ओ.पी. मालवीय वरिष्ठ अध्यापक ...8330119 Mob.- 9575323006

→ परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे।

प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविष्ठी करें।

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्तांक (अंकों में)
1		
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		
18		
19		
20		
21		
22		
23		
24		
25		
26		
27		
28		

कुल प्राप्तांक शब्दों में	कुल प्राप्तांक अंकों में

BOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्नोत्तर क्र. - 1

(i) (b) 26 अक्टूबर, 1947 ।

(ii) (a) संविधान ।

(iii) (b) 1952 ।

(iv) (a) परिवर्तन सशस्त्र क्रांति के द्वारा ही संभव है ।

(v) (b) आर्थिक संगठन ।

B S E

प्रश्नोत्तर क्र. - 2

(i) उपनिवेशवाद ।

(ii) सन् 1945 ।

(iii) बांग्लादेश ।

(iv) २४ अक्टूबर ।

(v) परिवर्तन ।

[ ] + [ ] = [ ]

योग पृष्ठ अंक कु. अंक

SECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHB

प्रश्न क्र.

प्रश्नोत्तर क्र.-3

(i) 'People War Group' ।

(ii) 8 अगस्त, 1967 ।

(iii) 10 जनवरी, सन् 1966 ।

(iv) 24 अक्टूबर, सन् 1945 ।

(v) सन् 1991 ।

प्रश्नोत्तर क्र.-4

(i) सत्य ।

(ii) सत्य ।

(iii) सत्य ।

(iv) सत्य ।

(v) सत्य ।

BSE

BOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्नोत्तर क्र.-5

(i) संवैधानिक सलाहकार ।

(ii) काठमांडू ।

(iii) 1972 ।

(iv) च्यार्टर ।

(v) वैश्वीकरण ।

प्रश्नोत्तर क्र.-6

शरणार्थी समस्या के दो परिणाम निम्नलिखित है —

(i) शरणार्थियों की सम्पत्ति की क्षतिपूर्ति की समस्या ।
(ii) पुनर्वास की समस्या ।

SECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESH

प्रश्न क्र.

प्रश्नोत्तर क्र.-7

दर आयोग की दो मुख्य अनुशंसाएँ थी, जो निम्नांकित है —

(i) भाषायी आधार पर राज्यों के पुनर्गठन के सिद्धांत को निरस्त किया जाए।
(ii) भाषायी एकरूपता प्रशासकीय सुविधा में सहायक है।

प्रश्नोत्तर क्र.-8

क्रीमीलेयर :— पिछड़े वर्गों में वह संपन्न वर्ग जिनकी सकल वार्षिक आय (कृषि से प्राप्त आय को छोड़कर) 6 लाख वार्षिक हो तथा जो लगातार 3 वर्ष से आयकर दे ~~रहे~~ लगातार दे रहे हो, उन्हें संपन्न वर्ग अथवा क्रीमीलेयर कहा जाता है।

BSE

प्रश्नोत्तर क्र.-9

14 वाँ गुटनिरपेक्ष सम्मेलन क्यूबा की राजधानी हवाना में सन् 2006 में हुआ था।

प्रश्नोत्तर क्र.-10

कच्चतीवु टापू हिन्द महासागर में स्थित है तथा वर्तमान समय में भारत-श्रीलंका के मध्य मतभेद का एक प्रमुख कारण है।

प्रश्नोत्तर क्र.-11

संविधान निर्माण की आवश्यकता निम्नांकित तथ्यों से स्पष्ट की जा सकती है —

(1) किसी भी देश के सुचारू रूप से संचालन के लिए संविधान की आवश्यकता होती है।

(2) नागरिकों को अपने मौलिक अधिकारों और मूल कर्तव्यों की जानकारी प्राप्त करने हेतु।

(3) शासन प्रमुख अथवा सरकार की निरंकुशता तथा मनमानीपूर्ण व्यवहार पर रोक लगाने हेतु।

(4) केन्द्र तथा राज्य सरकारों के मध्य समन्वय स्थापि

BSE

BOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPAL

प्रश्न क्र.

करने हेतु।

(5) सरकार के दिशा-निर्देश तथा विकास की ओर द्रुतगति से बढ़ने हेतु।

प्रश्नोत्तर क्र. - 12 (अथवा)

प्रारूप समिति के सदस्यों के नाम :-

भारतीय संविधान की प्रारूप समिति में कुल 07 सदस्य थे तथा उसके अध्यक्ष डॉ. भीमराव अम्बेडकर थे।

(i) अल्लादि कृष्णास्वामी आयंगर (अय्यर)।
(ii) के. एम. मुंशी।
(iii) टी. टी. कृष्णामाचारी।
(iv) एन. गोपालस्वामी आयंगर।
(v) मो. सादुल्ला।
(vi) एन. माधव मेनन।

BSE

प्रश्न क्र.

प्रश्नोत्तर क्र.-13 (अथवा)

संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रमुख छः अंग निम्नांकित है -

संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रमुख छः अंगो की व्याख्या, संघ संविधान के चार्टर अनु. 07 में की गई है -

1. महासभा (सामान्य सभा)।
2. सुरक्षा परिषद्।
3. न्यास परिषद्।
4. आर्थिक एवं सामाजिक परिषद।
5. अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय।
6. सचिवालय।

B
S
F

प्रश्नोत्तर क्र.-14

न्यास परिषद् के प्रमुख कार्य निम्नांकित है :-

(1) उपनिवेशवाद से स्वतंत्र राष्ट्रो को आर्थिक सहायता प्रदान करना।
(2) स्वतंत्र राष्ट्रो के विकास हेतु कृषि और उद्योग के क्षेत्र में सहयोग देना।
(3) राष्ट्रो की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ता प्रदान करना।
(4) शिक्षा, संस्कृति तथा विज्ञान की प्रगति के लिए तत्पर रहना।

BOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्नोत्तर क्र.-15

नियोजन के उद्देश्य निम्नाँकित है —

(1) आय तथा सम्पत्ति के असमान वितरण को रोकना।
(2) कृषि तथा उद्योगों का विकास करना।
(3) प्राकृतिक संसाधनों का समुचित उपयोग करना।
(4) अर्थव्यवस्था में संतुलन स्थापित करना।
(5) निर्धनता तथा बेरोजगारी का उन्मूलन करना।
(6) अशिक्षा की कमी को दूर करना।
(7) नवीन तकनीकों के माध्यम से द्रुतगति से विकास करना।

B S F

प्रश्नोत्तर क्र.-16 (अथवा)

भाषावाद पर अंकुश हेतु सुझाव निम्नाँकित है —

(1) ऐतिहासिक तथ्यों तथा बहुसंख्यक वर्गों द्वारा बोली जाने वाली हिन्दी भाषा ही राष्ट्रभाषा होनी चाहिए।

(2) अहिन्दी भाषी तथा हिन्दी भाषी को भाषायी उग्रता से बचना चाहिए।
(3) त्रिभाषा सूत्र को पूर्णनिष्ठा से लागू करना चाहिए।
(4) अंग्रेजी भाषा का प्रयोग कम कर देना चाहिए

BOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPAL

प्रश्न क्र.

किंतु पूर्णतः समाप्त नही करना चाहिए।

(5) हिन्दी भाषा को सरल और रोचक बनाने का प्रयास करना चाहिए।

(6) शैक्षणिक भ्रमण, व्याख्यान तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम द्वारा हिन्दी भाषा के प्रति जागरूक करना चाहिए।

प्रश्नोत्तर क्र. - 17

नारीवाद के विभिन्न रूपों की व्याख्या निम्नांकित है:-

विशेषज्ञो ने नारीवाद के तीन रूपो की व्याख्या की है जो निम्नलिखित है :-

(i) उदारवादी नारीवाद :-
इसमें नारी की पुरूषों पर निर्भरता को समाप्त कर दिया गया है। इसमें नारी के विकास हेतु अवसर उपलब्ध कराने का समर्थन किया गया है तथा समानता का भी समर्थन किया है।

(ii) उग्रवादी या अतिवादी नारीवाद :-
इसमें पुरूष की प्रभुता वाला समाज, नारी की दैनीय दशा को, समाज, परिवार तथा विवाह के माध्यम से जीवित रखता है। नारी पुरूषो की निर्भरता से दूर रहकर विकास करना चाहती है, जो संभव नही है।

BSE

BOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALB

क्र.

(iii) समाजवादी नारीवाद :— उनका मानना है कि पूँजीवाद तथा पितृसत्ता एक समान है जिसमें शोषण प्रमुख उद्देश्य है। यह मानते है कि नारी को विकास के समान अवसर प्रदान होने चाहिए।

प्रश्नोत्तर क्र. - 18 (अथवा)

~~गुटनिरपेक्ष नीति के चार प्रमुख लक्षण निम्नलिखित~~

भारत द्वारा गुटनिरपेक्षता की नीति अपनाए जाने के चार कारण निम्नलिखित है :—

(i) विश्व शांति पर बल :— भारत ने गुटनिरपेक्षता की नीति अपनाई क्योंकि उस समय दो महाशक्तियाँ अमेरिका और रूस थी तथा उनमें शक्तिशाली बनने की होड़ लगी थी अतः भारत ने स्वयं को दोनो से दूर रहकर विश्व शांति पर बल दिया।

(ii) निर्णय की स्वतंत्रता :— दो महाशक्तियों के अधीन हो जाने पर राष्ट्र स्वतंत्र होते हुए भी परतंत्रता की स्थिति को निभाने हेतु मजबूर थे अतः भारत ने दोनो सैनिक गुटबंदी से दूर रहकर गुटनिरपेक्षता की नीति अपनायी ताकि वह स्वतंत्र निर्णय ले सके।

B
S
E

BOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPAL

प्रश्न क्र.

(iii) दोनो गुटो से आर्थिक सहायता :—

स्वतंत्रता के पश्चात् भारत की स्थिति अत्यंत दयनीय थी तथा ऐसी स्थिति में किसी एक गुट में शामिल होकर भारत युद्ध नहीं करना चाहता था साथ ही उसे दोनो राष्ट्रों की मदद की आवश्यकता थी अतः भारत ने गुटनिरपेक्षता की नीति को अपनाया।

(iv) तृतीय विश्व युद्ध की समाप्ति :—

अमेरिका और रूस दोनो महाशक्तियों की एक-दूसरे से आगे बढ़ने की होड़ तथा परमाणु बमो के तीव्र विकास ने तृतीय विश्व युद्ध की आशंका को उजागर कर दिया। ऐसी स्थिति में भारत द्वारा अपनायी गुटनिरपेक्षता की नीति आशा की किरण के रूप में जागृत हुई।

BSE

BOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPAL

प्र क्र.

प्रश्नोत्तर क्र.-19

सार्क (SAARC) :—

'South Asian Association for Regional Co-operation' (दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन) सार्क है।

सार्क का महत्व निम्नलिखित है :—

(1) सार्क एशियाई राष्ट्रो के समस्याओं को सुलझाने तथा पारस्परिक सहायता हेतु एक प्रमुख संस्था है जो क्योंकि एशिया देशो की एक विशाल मैत्री है।

(2) अंतर्राष्ट्रीय समस्याओं को सुलझाने हेतु एक उपयुक्त राजनीतिक मंच है।

(3) अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सामूहिक हित के कार्यों में समर्थन करना।

(4) एशियाई राष्ट्रो की आर्थिक समृद्धि और सामाजिक कल्याण में एकरूपता दिखाना।

(5) उन समस्याओं का समग्र रूप से अंतर्राष्ट्रीय मंच पर समर्थन करना जो विभिन्न राष्ट्रो को प्रभावित करती है।

BSE

BOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESH

प्रश्न क्र.

प्रश्नोत्तर क्र.-20

भारत एवं बांग्लादेश के बीच तनाव के चार कारण निम्नलिखित है :—

(1) फरक्का समस्या (गंगा-जल बंटवारे की समस्या) :—

भारत-बांग्लादेश के मध्य गंगा-जल बंटवारे की समस्या बांग्लादेश की स्थापना के बाद से ही शुरू हो गई थी। बांग्लादेश ने संयुक्त राष्ट्र में भारत के विरुद्ध कार्यवाही की जिससे इनके मध्य तनाव उत्पन्न हो गए।

(2) चकमा शरणार्थियों की समस्या :—

सन् 1971 में बांग्लादेश की स्थापना के बाद हिन्दू और मुस्लिम जनता पर अत्यधिक अत्याचार होने लगा। जिसके कारण वहाँ की जनता गैर-कानूनी रूप से भारत की सीमा को पार कर भारत की अर्थव्यवस्था का संतुलन बिगाड़ दिया।

(3) मुहरी नदी जल-सीमा विवाद :—

भारत-बांग्लादेश की सीमा मुहरी नदी के मध्य से निर्धारित की गई है किंतु बांग्लादेश के रायफल सैनिकों ने भारत के किसानों पर गोलाबारी की। जिससे अन्य अधिकांश लोग मारे गए। इस कारण इन राष्ट्रों के मध्य तनाव बढ़ता गया।

B
S
E

[( ] + [ ] = [ ]
योग पूर्व पृष्ठ पृष्ठ 15 अंक कुल
EDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPAL

(१०) नवमूर द्वीप विवाद :—

भारत-बांग्लादेश के मध्य नवमूर-द्वीप भी विवाद का एक प्रमुख कारण है। बांग्लादेश हिन्द महासागर में स्थित इस द्वीप पर अपना आधिपत्य स्वीकार करता है जबकि भारत भी पीछे नही हट रहा है।

बांग्लादेश अपनी छोटी मानसिकता से समय-समय पर नए विवाद उत्पन्न करता रहा है।

प्रश्नोत्तर क्र.-२१

आधुनिकीकरण की विशेषताएँ निम्नलिखित है :—

(१) सार्वभौमिकता :—
सार्वभौमिकता आधुनिकीकरण की एक विशेषता है। यह श्रम-विभाजन तथा विशिष्टीकरण पर आधारित व्यवस्था है। इसे 'विधि का शासन' कहा जाता है।

(२) समानता :—
समानता को 'आधुनिकीकरण की आत्मा' कहा जाता है जो आधुनिकीकरण का एक अनिवार्य अंग है।

(3) परिवर्तन की क्षमता :—
आधुनिकीकरण की पहली

BOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPAL

प्रश्न क्र.

शर्त परिवर्तन है। आधुनिकीकरण के लिए परिवर्तन आवश्यक है।

(5) ~~विशिष्टीकरण~~ :- विभेदीकरण :-
आधुनिकीकरण में श्रम-विभाजन विशेष महत्वपूर्ण है। साथ ही विशिष्टीकरण प्रमुख है।

प्रश्नोत्तर क्र.-22 (अथवा)

शीतयुद्ध :-
शीत युद्ध वास्तविक युद्ध न होकर युद्ध की मात्र एक परिकल्पना है जिसमें परस्पर शक्तियाँ एक दूसरे के विरुद्ध घृणित प्रचार-प्रसार करती है किंतु राजनयिक संबंध बना रहता है।

शीत युद्ध के कारण निम्नांकित है :-

(1) शीत युद्ध द्वितीय विश्व युद्ध के नकारात्मक प्रतिक्रिया स्वरूप उत्पन्न हुआ। जिसमें एक-दूसरे के विरुद्ध घृणित प्रचार-प्रसार किए गए।

(2) शीत युद्ध सजनी विपरीत राजनीतिक स्थिति का परिणाम था जिससे द्वितीय विश्व युद्ध के पश्चात् महाशक्तिशाली बनने की होड़ लग गई।

BSE

EDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBO

~~(3) शीत युद्ध महाशक्तियों द्वारा निर्मित विभिन्न सैनिक संगठन नाटो, सीटो, सेण्टो, वारसापैक्ट के कारण उत्पन्न हुआ।~~

<u>शीत युद्ध के उत्पन्न होने के दो प्रमुख कारण निम्नांकित है —</u>

(1) सामान्य कारण (2) तात्कालिक कारण

(1) <u>सामान्य कारण :—</u>

(i) <u>संघर्षों की अनिवार्यता :—</u> शीत युद्ध प्रारंभ होने का एक प्रमुख कारण संघर्ष था क्योंकि दो राष्ट्रों के मध्य विवाद उत्पन्न होते है तथा समाप्त हो जाते है किंतु संघर्ष सदैव विद्यमान रहता है।

(ii) <u>विचारधाराओं का टकराव :—</u> अमेरिका एक पूँजीवादी राष्ट्र था जबकि सोवियत संघ समाजवादी व्यवस्था (साम्यवादी व्यवस्था) का समर्थक था। इन दोनों की विचारधाराएँ पूर्णतः भिन्न थी अतः शीत युद्ध प्रारंभ हुआ।

(2) <u>तात्कालिक कारण :—</u>

(iii) <u>पूर्वी यूरोप का सोवियतकरण :—</u> रूस ने साम्यवादी व्यवस्था को बरकरार रखते हुए पूर्वी यूरोप के अधिकांश

BOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPAL

प्रश्न क्र.

राष्ट्रों मे साम्यवादी व्यवस्था लागू कर दी थी अमेरिका के लिए एक खतरा था। अतः अमेरिका भी साम्यवादी व्यवस्था को समाप्त करने हेतु तत्पर हो गया।

(४) जर्मनी के विरुद्ध द्वितीय मोर्चा खोलने मे विलम्ब :—

द्वितीय विश्व युद्ध के समय जर्मनी रूस के अधिकांश भू-भाग पर अधिकार कर लिया था अतः स्टालिन ने अमेरिका से अनुरोध किया कि द्वितीय मोर्चा अमेरिका की तरफ खोल दिया जाए किंतु अमेरिका ने ऐसा नहीं किया। जिससे रूस-अमेरिका के संबंधो के विश्वास मे कमी आयी।

B
S
E

प्रश्नोत्तर क्र.-23

भारत में महिला सशक्तिकरण हेतु उठाए गए कदम निम्नांकित है —

(१) संवैधानिक व्यवस्था :—

भारत मे महिला सशक्तिकरण हेतु संविधान मे कुछ विशिष्ट व्यवस्था की गई है। संविधान के अनु॰ १४ - विधि के समक्ष समानता, अनु॰ १५ - सभी के साथ समान व्यवहार, अनु॰ १६ - सरकारी नौकरियो मे समानता का प्रावधान है।

EDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPAL

क्र.

(२) आरक्षण की व्यवस्था :—

महिलाओं की राजनीतिक क्षेत्र में भूमिका को बढ़ाने के लिए पंचायती राज व्यवस्था में 1/3 (एक-तिहाई) सदस्यता प्रदान की गई है।

(3) राष्ट्रीय महिला आयोग की स्थापना :—

महिलाओं की स्थिति को सुदृढ़ करने के लिए राष्ट्रीय महिला अधिनियम -1990 संविधान द्वारा पारित किया गया जो 31 जनवरी, 1992 को लागू हुआ।

(4) राष्ट्रीय महिला कोष की स्थापना :—

राष्ट्रीय महिला कोष की स्थापना 30 मार्च, सन् 1993 को की गई। इसमें 31 करोड़ रुपये की पूँजी लगी। इसका उद्देश्य गरीब महिलाओं को ऋण की सुविधा प्रदान करना है।

(5) महिला अपराध प्रकोष्ठ तथा न्यायालय की स्थापना :—

घरेलू हिंसा अधिनियम सन् 2005 तथा 2006 महिलाओं के लिए लागू किया गया।

(6) महिला अधिकारिता वर्ष :—

सन् 2001 में महिला अधिकारिता वर्ष मनाया गया। तथा 8 मार्च को 'अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस' मनाया जाता है।

SECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRAD

प्रश्नोत्तर क्र. - २४

भारत में निरक्षरता दूर करने के पाँच उपाय निम्नांकित है -

(1) रोजगार में वृद्धि :-

प्राय: निरक्षरता का संबंध आर्थिक समस्या से होता है। निरक्षरता निर्धनता के कारण उत्पन्न होती है। अत: रोजगार में वृद्धिकर जनता की आय में वृद्धि की जा सकती है तथा शिक्षा दिलाई जा सकती है।

(२) शिक्षा के लिए जागरूकता :-

एक निर्धन व्यक्ति अपनी आजीविका के निर्वहन में व्यस्त होता है उसे शिक्षा जैसी चीजे निरर्थक महसूस होती है। अत: शिक्षा की उपयोगिता और महत्त्व का अनुभव कराने हेतु टेलीविजन तथा संचार के अन्य साधनों द्वारा जागरूकता फैलानी चाहिए।

(३) प्रशिक्षण की व्यवस्था :-

निरक्षरता दूर करने के लिए लोगों को प्रशिक्षण देना चाहिए तथा रूढ़वादिता, समाजवादिता जैसी कुरीतियों के दुष्प्रभाव से अवगत कराना चाहिए।

BSE

EDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBO

क्र.

(4) मातृ शिक्षा पर बल :-

निरक्षरता को दूर करने का एक प्रमुख एवं महत्वपूर्ण तत्व मातृ शिक्षा है। माताओं की शिक्षा मे वृद्धि से परिवार में बच्चे, वृद्ध तथा अन्य सदस्य भी शिक्षित होंगे।

(5) सरकारी प्रयास :—

निरक्षरता को सरकार की सशक्त नीतियों के माध्यम से कम किया जा सकता है। सरकार द्वारा चलाई गई 6 से 14 वर्ष के बच्चों की निःशुल्क शिक्षा इस क्षेत्र मे कारगर सिद्ध हो रही है। इसी प्रकार सरकार तथा साथ ही जनता के सहयोग से निरक्षरता समाप्त की जा सकती है।

BOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्नोत्तर क्र.-25

काका कालेलकर आयोग :-

पिछड़े वर्गों को विभिन्न क्षेत्रों में विशिष्ट अधिकार प्रदान करने हेतु काका कालेलकर आयोग की स्थापना की गई थी।

जनवरी 1953 में काका कालेलकर आयोग का गठन किया गया तथा आयोग ने अपनी रिपोर्ट सन् 1955 में प्रस्तुत की।

आयोग की सिफारिशें निम्नलिखित हैं :-

(1) प्रथम श्रेणी की सेवाओं में 25% का आरक्षण दिया जाए।

(2) द्वितीय श्रेणी की सेवाओं में 33.5% का आरक्षण दिया जाए।

(3) तृतीय श्रेणी की सेवाओं में 40% का आरक्षण दिया गया।

(4) मेडिकल, वैज्ञानिक और तकनीकी शिक्षा में 70% का आरक्षण दिया गया।

(5) पिछड़े वर्गों के कल्याण के लिए एक अलग मंत्रालय बनाया जाए।

काका कालेलकर आयोग ने 2399 जातियों को पिछड़ी जातियाँ माना है।

BSE

EDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPAL

प्रश्नोत्तर क्र.-26

राज्य पुनर्गठन आयोग :—

राज्य पुनर्गठन आयोग का गठन 29 दिसम्बर, 1953 को किया गया। इसके अध्यक्ष न्यायाधीश फजल अली थे तथा हृदयनाथ कुंजरु तथा के. एम. पणिक्कर अन्य सदस्य थे।

राज्य पुनर्गठन आयोग की सिफारिशें निम्नलिखित है :—

(1) राष्ट्रीय एकता को सर्वोच्च प्राथमिकता।
(2) 'एक भाषा, एक राज्य का सिद्धांत' निरस्त।
(3) भाषायी एकरूपता प्रशासकीय कर्मठता में सहायक।
(4) राज्यों के पुनर्गठन में भाषायी एकता को महत्व।
(5) राज्यों की चार श्रेणियों के विभाजन को समाप्त कर सभी को समान दर्जा दिया जाए।
(6) केन्द्र ने 16 राज्यों तथा तीन केन्द्र शासित क्षेत्रों की संस्तुति की।

BOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्नोत्तर क्र.-22 (अथवा) का शेष

शीत युद्ध के कारण :—

(V) अमेरिका द्वारा आणुविक बमों की गोपनीयता रखना :—

अमेरिका और रूस द्वितीय विश्व युद्ध मे मित्र राष्ट्र के रूप मे एक साथ युद्ध किया तथा एक-दूसरे का साथ दिया किंतु उसके पश्चात् अमेरिका ने अपने परमाणु और आणुविक बमो की तकनीक को रूस से गोपनीय रखने का प्रयास किया जिससे रूस अपनी सुरक्षा को तत्पर हो गया।

Q. 2

[illegible]

BSE